

श्रीमत्पद्मवती परकी कल्याण इयं

~~पद्मवती~~ की मूल पद्मवती माननीय न्यायालय
राजस्थान महल राजस्थान राजधानी में

पिशाकाचीन होने इका संभव है

1440 ई. खरीद. विषय जाला है

~~पद्मवती~~ केवल शुभा होना नका

के कद ही लय दामिद दफ्तार ही

ॐ